Lotus Buds

हिन्दी

जलवायु परिवर्तन

धरती माँ का हाल बेहाल है,
कहीं नहीं कोई खुशहाल है,
कभी गर्मी की तपन और कभी शीत लहर की चुभन,
कभी बरसात से बाढ़, ख़त्म कर देती सब ठाठ।

सूरज की तपती किरणें, शोलो जैसी तपन,
जलाती है तन,मन, रोकती है सबकी खनक।
नदी, पोखर सब सूख गए, वृक्ष, लतायें सूख गई,
जीवन का हर कोना, पानी से आह्लादित होता है, यह शिक्षा मिल गयी।

खेतों में पड़ गयें सूखा, फसलें जल गई, किसान की आखों से आँसू पड़े झर-झर,
मेहनत व्यर्थ गई, सारी कमाई ले गई, किसान की हालत जर-जर।
खेतों का तो क्या, प्यास बुझाने के लिए भी अब पानी बेशकीमती है ,
गर्मी का यह प्रकोप, अकाल का समय, इंसान के जीवन का दर्द बनता है।

फिर आती है , बिन मौसम बरसात, साथ लिए बाढ़ और तूफान का कहर,
गाँव, शहर सब जलमग्न, जन-जीवन जाता है ठहर।
सड़को पर नाव चलते, मछलियाँ तैरती, हर जगह पानी ही पानी
बरसात की विभीषिका, हर पल हमारे दिलों को दहलाती।

पानी की अधिकता से, फसलें सड़ जाती, मेहनत मिटटी में मिल जाती ,
भविष्य के सुनहरे सपने, हर पल, हर क्षण, हमसे दूर हो जाते।
घर से बेघर होते लोग, बाढ़ का यह भीषण कहर ,
जीवन का हर पहलू जाता है बिखर-बिखर।

सर्दी की ठिठुरन से, कपकपाता तन-बदन,
गर्मी का तांडव ख़त्म हुआ , सर्दी बन चली दुल्हन।

गरीबों की चुनौतियाँ कपकपाता ठण्ड में बढ़ जाती है,
रातों की यह ठिठुरन,दिन में कष्ट बढ़ाती है।

जलवायु का यह परिवर्तन, जीवन अर्थ-अनर्थ है,
प्रकृति का सम्मान, हमारी ही ज़िम्मेदारी है।
धरती का यह हाल, हम सब की भागीदारी है,
जलवायु को बचाना हम सबकी बड़ी ज़िम्मेदारी है।

- **इशिका धानुका, 9 C**

गणपति वंदना

सूँड सुँडाला है ज्ञान विशाला,
गज मुख है वो रूप निराला ।
विशाल उदार है, शब्द सुरीला,
मूषक वाहक है गर्वीला ॥

विघ्न विनाशक नाम है जिनका,
लाल केसरिया वरण है उनका ।
बड़े कर्ण से सुने वो प्रतिपाल,
गर्वित मस्तक ध्यान में अविरल ॥

नेत्र सूक्ष्म है, दिव्य-सी दृष्टि,
जिनके हाथों चले ये सृष्टि ।
मोदक मन को लगे प्यारा,
प्रथम पूजनीय गणपति न्यारा ॥

~ **नन्दिनी लखोटिया**, 10 D

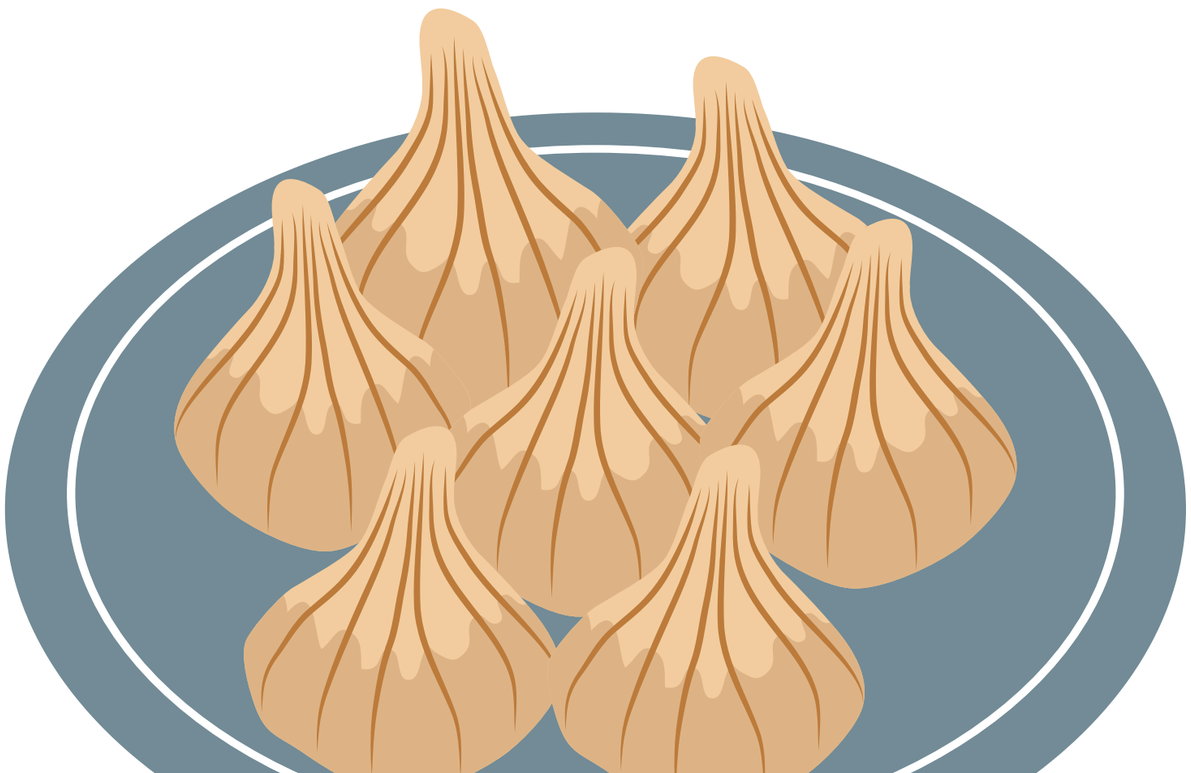

जीवन एक संघर्ष है , हर कदम एक नई जंग है ।

प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन को अपने तरीके से जीता है। कोई व्यक्ति अपना जीवन सुख और संतुष्टि के साथ जीता है, और दूसरों को जाने - अनजाने में सकारात्मक रूप से प्रभावित कर जाता है। कई बार मनुष्य अपने नकारात्मक कार्यों से यह सीख दे देता है, कि हमें अपना जीवन किस ढंग से व्यतीत नहीं करना चाहिए ।

ऐसा कहा जाता है, कि मनुष्य के जीवन का लक्ष्य यह होता है कि वह अंत में जाकर मोक्ष की प्राप्ति करे, और इसे वह अच्छे कर्मों के द्वारा ही कर सकता है। परंतु वह रास्ता जिसमें व्यक्ति परमात्मा की प्राप्ति करना चाहता है, संघर्षों से भरा है। अत: जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि हम कठिन से कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना कर सके ।

मैं पहले सोचती थी कि जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखना नामुमकिन है, ऐसा क्यों ? ऐसा इसीलिए, क्योंकि जीवन मनुष्य के रास्ते में कठिनाइयाँ डालने का कोई मौका नहीं छोड़ता है ।

हम विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक दिन एक जंग की तरह होता है, हर सुबह जब हम विद्यालय में कदम रखते हैं तब हमारा मन हमसे यह कहता है कि 'मुड़ जाओ' लेकिन हमें उस चारदीवारी में घुसना, वही पूरे दिन बैठना, पढ़ना और परीक्षाएँ देने का मन बिल्कुल नहीं करता परंतु हमें वह कदम उठाना पड़ता है, क्योंकि हमें पता है कि हम इस जिंदगी के पहले पड़ाव से भाग नहीं सकते , मुकर नहीं सकते। हमें इस पड़ाव का डटकर सामना करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि हमारे जीवन के आरंभिक अठारह वर्ष हमारा भविष्य तय करेंगे ।

हम विद्यार्थियों के लिए परीक्षा का बहुत महत्व है । विद्यार्थी परीक्षा के लिए बहुत मेहनत करते हैं परंतु जब कम अंक आते हैं, तब हम बिखर जाते हैं, हम हमेशा जीवन को कोसते रहते हैं, यह कहकर कि जीवन हमारे साथ नाइंसाफी कर रहा है। यह पूरा सच नहीं है क्योंकि जब विद्यालय से पढ़कर हमारी परीक्षा देते है तब जिंदगी हमें सीख सिखाकर हमारी परीक्षा लेती है ।

हम बच्चे जीवन को कोसने के बजाय अपनी आंखों से उसकी खूबसूरती को देखने का प्रयास करें, क्योंकि वहीं हमारे गुरु के सम्मान है ।

मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखने की बहुत जरूरत है क्योंकि जैसा हम सोचते, जैसे हमारे विचार होते हैं हम आगे जाकर वैसे मनुष्य बन जाते हैं । अगर हम अपने विचारों को सकारात्मक बनाएंगे तो हमारा जीवन सार्थक और कामयाब हो जाएगा।

शायद सभी विद्यार्थियों को अभी इसका महत्व समझ नहीं आएगा, परंतु जब वह बाहरी दुनिया में अपने कदम रखेंगे और जब उनकी कठिनाइयाँ बढ़ जाएगी तब उन्हें इसका महत्व समझ आएगा क्योंकि सकारात्मक सोच और सच्चे कर्म ही मनुष्य को जीवन में सफलता प्रदान करते हैं।

श्री कृष्णा यह कहते हैं कि "जीवन में अगर सफल होना है तो केवल सच्चे मन और पवित्र भाव से कर्म कीजिए सफलता का परिणाम स्वयं आपके सामने होगा ।"

- देवांशी चौधरी, 12 C

समय की आत्मकथा

समय समय की बात है ,
समय समय का खेल ,
समय के आगे कुछ नहीं ,
क्योंकि समय है सफ़लता का भेद ।

यदि जीवन में कुछ करना हैं ,
सबसे आगे बढ़ना हैं ,
समय को मत बर्बाद करो ,
सदा काम की बात करो ।

समय जब बीत जाता है ,
लौट कर फिर नहीं आता है ,
समझो समय के महत्व को ,
सफ़लता के रहस्य को ।

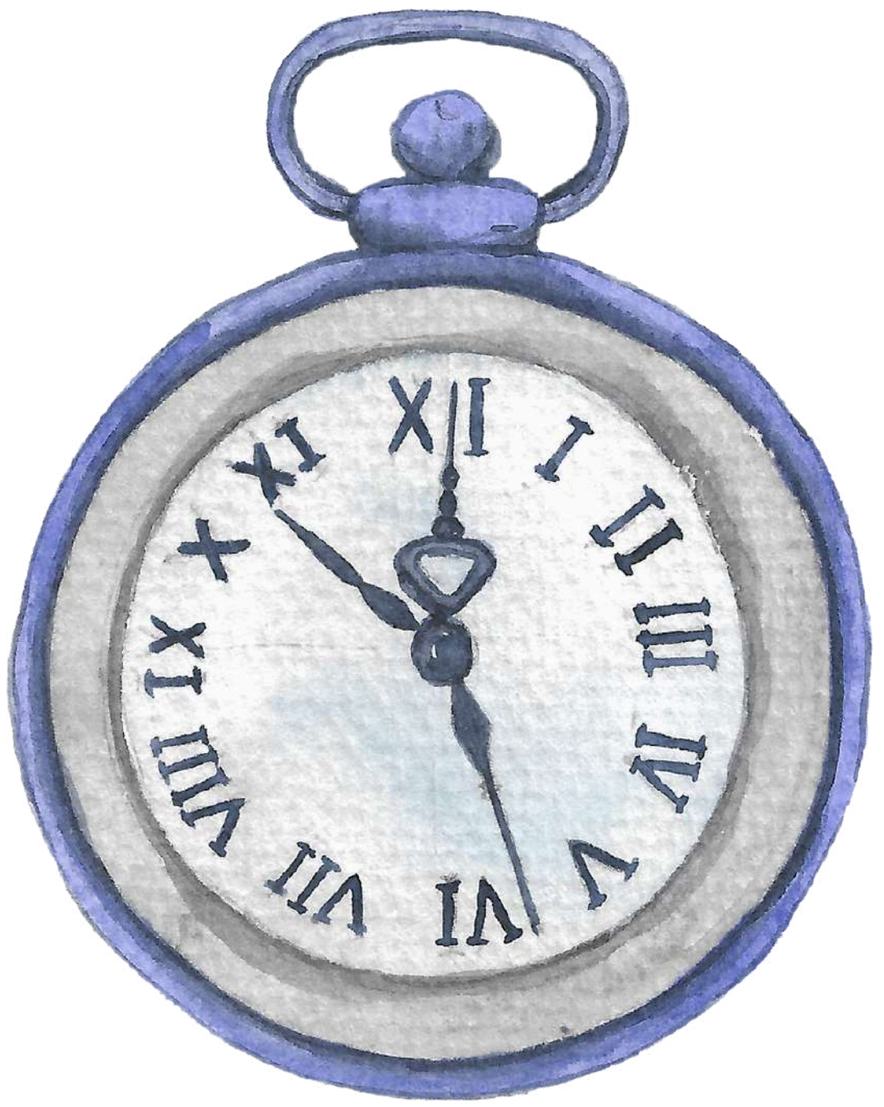

- अदविका बगड़िया, 9 D

नन्ही परी और उसका सपना

एक बार की बात है, एक नन्ही परी जिसका नाम तारा था, बादलों के ऊपर एक सुन्दर और खुशहाल परीलोक में रहती थी। तारा का सपना था कि वह धरती पर जाकर वहां की खूबसूरती देखे और वहां के बच्चों के साथ खेले।

एक दिन, तारा ने अपनी इच्छा अपनी माँ से बताई। उसकी माँ ने कहा, "अगर तुम्हें धरती पर जाना है तो तुम्हें एक विशेष काम करना होगा। तुम्हें किसी की मदद करनी होगी ताकि तुम्हारे पास धरती पर रहने का अधिकार हो।"

तारा ने यह सुनकर हांमी भर दी और धरती पर उतर गई। धरती पर आते ही उसने देखा कि एक बच्चा रो रहा था। तारा उसके पास गई और पूछा, "तुम क्यों रो रहे हो?"

बच्चे ने कहा, "मेरी गेंद पेड़ पर अटक गई है और मैं उसे नीचे नहीं ला पा रहा हूँ।"

तारा ने अपनी जादुई छड़ी निकाली और कहा, "चिंता मत करो, मैं तुम्हारी मदद करूंगी।" उसने अपनी छड़ी से पेड़ पर एक हल्का स्पर्श किया और गेंद धीरे-धीरे नीचे गिर गई।

बच्चा बहुत खुश हुआ और तारा को धन्यवाद दिया। तारा ने महसूस किया कि मदद करना कितना सुखद होता है। उसने धरती पर और भी बच्चों की मदद की और उन्हें खुशियाँ दीं।

जब तारा वापस परीलोक पहुंची, उसकी माँ ने उसे गले लगाते हुए कहा, "तुमने बहुत अच्छा काम किया, तारा। अब तुम धरती पर जब चाहो जा सकती हो और बच्चों के साथ खेल सकती हो।"

तारा बहुत खुश हुई और उसने वादा किया कि वह हमेशा दूसरों की मदद करेगी।

शिक्षा: दूसरों की मदद करने से हमें खुशी मिलती है और हमारे सपने सच हो सकते हैं।

- नाव्या दुग्गर, 7A

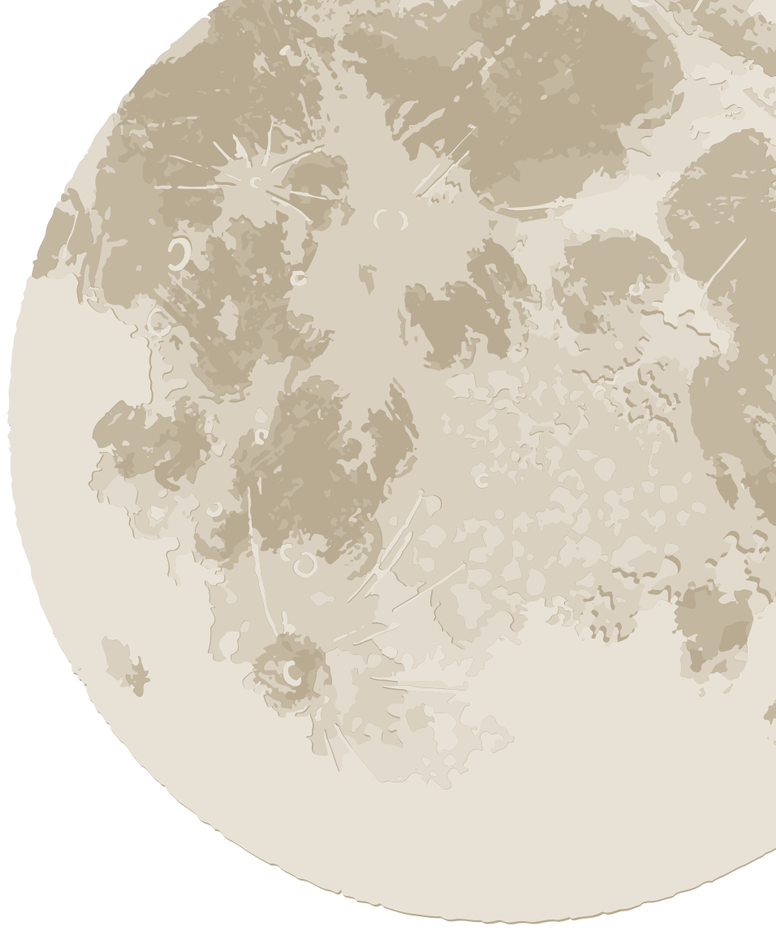

चाँदनी रात

चाँदनी रात, सितारें प्यारे,
चमकते हैं सभी के प्यारे।
रात के अंधेरों में, जैसे दीप जलते,
सितारे-तारे, सबके मन को सुकून देते।

सूरज की किरणें, सोने से पहले,
रात को चमकते, जैसे हीरें बिखरे।
सूरज की रौशनी, दिन को सजाए,
चाँद की चाँदनी, रात को निखराए।

फूलों की खुशबू, हवा में बहती,
रंग-बिरंगे फूल, सबको भाते हैं।
हवा की मस्ती, ताज़गी लाए,
फूलों की महक, सबको भाए।

खुश रहो तुम, हंसो हंसो प्यारे,

हर दिन हो मस्त, चाँद-सितारे।
सपनों की दुनिया, सुंदर हो सदा,
सपनों की चमक, तुम्हारी हो हर रज़ा।

- नाव्या दुग्गर, 7A